समभाव-समदृष्टि के
सबक़

दिनांक 02 अप्रैल - 24 सितम्बर 2017

एकता का प्रतीक

प्रकाशक
सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.)
"वसुन्धरा" ग्राम भूपानी–लालपुर रोड फरीदाबाद–121002 (हरियाणा)
ई–मेलः info@satyugdarshantrust.org
website: www.satyugdarshantrust.org
© सर्वाधिकार सुरक्षित सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.)
ISBN : 978-93-85423-12-3

प्रथम संस्करण
मार्च, 2018

समभाव-समदृष्टि के

सबक़

दिनांक 02 अप्रैल 2017 - 24 सितम्बर 2017

सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ के अनुसार

★ महामन्त्र★

साडा है सजन राम,
राम है कुल जहान

अर्थात्

ईश्वर हमारा मित्र/प्रियतम सर्वव्यापक है।
उसी को जानो,
मानो और वैसे ही
गुण अपनाओ।

शब्द है गुरु,
शरीर नहीं है।

अर्थात्

ज्ञानी को नहीं,
ज्ञान को अपनाओ ।
निमित्त में नहीं,
नित्य में श्रद्धा बढ़ाओ।

अनुक्रमणिका

क्रमांक **विवरण** **पृष्ठ संख्या**

अप्रैल 2017

1. दि: 02 का सबक़ परमपद-1 1
2. दि: 09 का सबक़ परमपद-2 14
3. दि: 16 का सबक़ परमपद-3 26
4. दि: 23 का सबक़ परमपद-4 35
5. दि: 30 का सबक़ आत्मनिरीक्षण 47

मई 2017

6. दि: 07 का सबक़ मृतलोक-1 54
7. दि: 14 का सबक़ मृतलोक-2 64
8. दि: 21 का सबक़ मृतलोक-3 75
9. दि: 28 का सबक़ मृतलोक-4 86

जून 2017

10. दि: 04 का सबक़ आत्मनिरीक्षण 97
11. दि: 11 का सबक़ आत्मनिग्रह-1 107
12. दि: 18 का सबक़ आत्मनिग्रह-2 118
13. दि: 25 का सबक़ आत्मनिग्रह-3 128

जुलाई 2017

14. दि: 02 का सबक़ आत्मनिग्रह-4 : आत्मानुशासन 138
15. दि: 09 का सबक़ आत्मनिरीक्षण 147

ज्ञानेद्रियों का समुचित कार्य

16. दि: 16 का सबक़ 1 : ज्ञानेद्रियों का समुचित कार्य 154
17. दि: 23 का सबक़ 2 : दर्शनेन्द्रिय (भाग-1) 166
18. दि: 30 का सबक़ 3 : दर्शनेन्द्रिय (भाग-2) 178

अनुक्रमणिका

क्रमांक **विवरण** **पृष्ठ संख्या**

अगस्त 2017

19. दिः 06 का सबक़ 4 : श्रवणेन्द्रिय 185
20. दिः 13 का सबक़ 5 : रसनेन्द्रिय 199
21. दिः 20 का सबक़ 6 : घ्राणेन्द्रिय, स्पर्शेन्द्रिय 209
22. दिः 27 का सबक़ आत्म प्रकृति का विकास 221

सितम्बर 2017

कर्मेन्द्रियों का समुचित कार्य

23. दिः 03 का सबक़ 1 : वागेन्द्रिय 230
24. दिः 10 का सबक़ 2 : वाणी संयम 241
25. दिः 17 का सबक़ 3 : जननेन्द्रिय/उपस्थेन्द्रिय 251
26. दिः 24 का सबक़ 4 : गुदा इन्द्रिय और पादेन्द्रिय 261